



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

15 फाल्गुन 1930 (श0)
पटना, शुक्रवार, 6 मार्च 2009

अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग

अधिसूचनाएं

17 दिसम्बर 2008

सं0-2/क्षे0स्था-15.04.2006-4358-भारत संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों के लिपिकों के लिए निम्नांकित नियमावली बनाते हैं।

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ –

(1) यह नियमावली अनु0जाति एवं अनु0जनजाति कल्याण विभाग के क्षेत्रीय लिपिक सम्बर्ग (राज्य स्तरीय) नियमावली 2008 कही जा सकेगी।

(2) इसका विस्तार संपूर्ण बिहार राज्य में होगा।

(3) राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएँ – इस नियमावली में, जब तक किसी संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो-

(क) "नियत तिथि" से अभिप्रेत है इस नियमावली के आरम्भ की तिथि,

(ख) "सम्बर्ग" से अभिप्रेत है अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग लिपिकीय सम्बर्ग

(ग) "कोटि" से अभिप्रेत है, नियम-3 में विनिर्दिष्ट कोटि,

(घ) "सीधी भर्ती से नियुक्त व्यक्ति" से अभिप्रेत है, आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षाफल के आधार पर निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्त व्यक्ति,

(ङ) "नियुक्त प्राधिकारी" से अभिप्रेत है निदेशक, अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग, बिहार।

(च) "संवर्ग नियंत्री प्राधिकार" से अभिप्रेत है निदेशक, अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग, बिहार।

(छ) "विभाग" से अभिप्रेत है अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग, बिहार।

(ज) "परिवीक्षाधीन" से अभिप्रेत है निम्नवर्गीय लिपिक की कोटि में परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त व्यक्ति,

(झ) "सामान्य पदक्रम सूची" से अभिप्रेत है नियत तिथि की स्थिति तथा अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग द्वारा इस प्रयोजनार्थ बनायी जानेवाली विनियमावली के अनुसार समय-समय पर पुनरीक्षित, संवर्ग के कर्मचारियों की पदक्रम सूची, जिसका संधारण अनु0जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग द्वारा किया जायेगा,

(ट) "आयोग" से अभिप्रेत है बिहार कर्मचारी चयन आयोग।

3. **संवर्ग का गठन** — इस संवर्ग में निम्नांकित कोटि के पद होंगे

(i)	निम्नवर्गीय लिपिक	(3050—4590)
(ii)	उच्चवर्गीय लिपिक	(4000—6000)
(iii)	प्रधान लिपिक	(4500—7000)
(iv)	प्रधान लिपिक सह लेखापाल	(5000—8000)
4. **सेवा का अधिकृत बल** (1)— सेवा के अधिकृत बल का आवश्यकतानुसार समय-समय पर पुनर्निर्धारण वित्त विभाग एवं प्रमंडलीय उप निदेशक कल्याण से परामर्श कर अनु०जाति एवं अनु० जनजाति कल्याण विभाग द्वारा वित्त विभाग की सहमति से किया जायेगा:

(2) नियत तिथि को निम्नवर्गीय लिपिक/उच्चवर्गीय लिपिक/प्रधान लिपिक/प्रधान लिपिक-सह-लेखापाल के स्वीकृत बल का 50 प्रतिशत पद निम्नवर्गीय लिपिक कोटि और 50 प्रतिशत उच्चवर्गीय लिपिक कोटि पद समझे जायेंगे। विषम संख्यावाले अतिरिक्त पद निम्नवर्गीय 50 प्रतिशत से अधिक हो तो कार्यरत उच्चवर्गीय लिपिक एवं उच्चतर कोटि का समझा जायेगा। उच्चवर्गीय लिपिक एवं उच्चतर कोटि का पद बल जब तक 50 प्रतिशत से कम नहीं हो जाता है तब तक उच्चवर्गीय लिपिक के पद पर प्रोन्नति नहीं दी जायेगी।
5. **आरक्षण** — सेवा में नियुक्ति/प्रोन्नति में राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित आरक्षण के प्रावधान लागू होंगे।
6. **निम्नवर्गीय लिपिक कोटि में भर्ती (I)**— न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता/अर्हता तथा भर्ती की प्रक्रिया विनियमावली के उपबंधों के अनुसार होगी।

(II) प्रत्येक कलेन्डर वर्ष की रिक्तियों के लिए अध्याचना आयोग को पूर्ववर्ती कैलेन्डर वर्ष के दिसम्बर माह तक भेज दी जायेगी। आयु की अर्हता 01 जनवरी के रूप में विनिश्चित की जायेगी।

(III) निम्नवर्गीय लिपिक कोटि के अधिकृत बल का पच्चासी प्रतिशत (85%) पद सीधी भर्ती द्वारा आयोग द्वारा इस प्रयोजनार्थ आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर भरे जायेंगे।

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा किये जाने वाले पदों का अधिक से अधिक पाँच प्रतिशत (5%) पद ऐसे सरकारी सेवक, जिनकी सेवाकाल में मृत्यु हो गयी हो, के आश्रितों के बीच से, विहित प्रक्रियानुसार एवं इस कोटि में नियुक्ति होने के लिए सभी अहर्तायें धारित करने पर, अनुकम्पा के आधार पर, नियुक्ति द्वारा भरे जायेंगे, जिसके लिए आयोग की अनुशंसा अपेक्षित नहीं होगी।

(IV) नियत तिथि को विभिन्न कार्यालयों में निम्नवर्गीय लिपिक के रूप में नियुक्ति एवं कार्यरत और अनुकम्पा के आधार पर निम्नवर्गीय लिपिक के रूप में नियुक्त एवं कार्यरत व्यक्ति इस कोटि में स्वतः सम्मिलित समझे जायेंगे।

परन्तु वैसे निम्नवर्गीय लिपिक जो इस सेवा में स्वतः शामिल समझे गये हों और जिनकी उम्र नियत तिथि को 50 वर्षों से कम हो, को नियत तिथि से दो वर्षों के अन्दर टंकण एवं कम्प्यूटर में, राज्य सरकार द्वारा यथा विनिश्चित अहर्ता हासिल कर लेनी होगी, जिसमें असफल होने पर आगे उन्हें कोई वेतनवृद्धि देय नहीं होगी।

(V) अधिकृत बल का शेष पन्द्रह प्रतिशत (15%) पद राज्य सरकार के क्षेत्रीय कार्यालयों की नियमित स्थापना में कार्यरत समूह 'ध' के बीच से विनियमावली द्वारा यथा विनिर्दिष्ट अहर्ताएं धारित करनेवाले कर्मियों से आयोग द्वारा आयोजित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर भरे जायेंगे।

(VI) संबंधित कार्यालयों द्वारा प्राप्त रिक्तियों की सूचना के आधार पर विभाग द्वारा आरक्षण कोटिवार अध्याचना आयोग को भेजी जायेगी। प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर प्रत्येक संवर्ग में उम्मीदवारों का आवंटन विभाग द्वारा मेधा-सह-विकल्प के आधार पर किया जायेगा। मेधा-सह-विकल्प के आधार पर आवंटन की प्रक्रिया विनियमावली द्वारा विनिश्चित की जायेगी।
7. नियम 6 (III) एवं 5(V) में निर्देशित प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए अर्हता, नियम, पाठ्यक्रम आदि वही होंगे जो विनियमावली द्वारा विनिश्चित किये जाएं।
8. **परिवीक्षा अवधि** — निम्नवर्गीय लिपिक कोटि में कोई भी नियुक्ति, चाहे वह सीधी भर्ती द्वारा हो या सीमित प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा या अनुकम्पा के आधार पर, प्रारम्भ में परिवीक्षा पर होगी। परिवीक्षा-अवधि दो वर्षों की होगी, जो नियुक्ति प्राधिकार द्वारा बढ़ाई जा सकेगी।

परन्तु नियत तिथि के पूर्व से निम्नवर्गीय लिपिक के रूप में नियुक्ति कर्मियों को नियत तिथि के प्रभाव से परिवीक्षा पर नियुक्त माना जायेगा।

परन्तु और कि परिवीक्षा के विस्तार की कुल अवधि तीन वर्षों से अधिक की नहीं होगी। विस्तारित अवधि में भी सेवा संतोषप्रद नहीं होने पर पदधारी को सेवा से हटाया जा सकेगा।
9. **प्रशिक्षण** 1 परिवीक्षा अवधि में, निम्नवर्गीय लिपिक को ऐसे प्रशिक्षण में भाग लेना होगा, जो विनियमावली द्वारा विहित किया जायेगा।

10. **सम्पुष्टि (I)** निम्नवर्गीय लिपिक कोटि में परिवीक्षा पर नियुक्त कोई व्यक्ति संतोषप्रद टंकण एवं कम्प्यूटर जॉच में सफल होने पर, नियुक्ति प्राधिकार द्वारा संपुष्ट किया जा सकेगा।
- (II) उप नियम (I) में उल्लेखित जॉच का संचालन राजस्व पर्षद द्वारा किये जायेंगे। उप नियम (1) एवं नियम 6 के उप नियम (IV) के परन्तुक तथा नियम 11 के उप नियम (3) के परन्तुक के अधीन टंकण एवं कम्प्यूटर की जानकारी के लिए प्रक्रिया आदि का अवधारणा राजस्व पर्षद के परामर्श से विभाग द्वारा विनियमावली के तहत किया जायेगा।
- (III) निम्नवर्गीय लिपिक की कोटि में नियुक्त कर्मियों को टंकण जॉच एवं कम्प्यूटर ज्ञान में सफल हुए हुए बिना वेतनवृद्धि नहीं दी जायेगी।
11. **निम्नवर्गीय लिपिक कोटि में वरीयता का अवधारणा (1)**— सभी संलग्न कार्यालयों के लिपिकों, प्रधान लिपिकों एवं समकक्ष पद धारकों की एक ही वरीयता सूची विद्यमान स्थिति के आधार पर तैयार की जायेगी।
- (2) नियम 6 के उप नियम (3) के अधीन आयोग की अनुशंसा पर नियुक्त व्यक्तियों की वरीयता आयोग द्वारा तैयार की गयी मेधा सूची के अनुसार होगी।
- (3) अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति कर्मियों की आपसी वरीयता उनकी नियुक्ति की तिथि के अनुसार होगी।
- (4) किसी वर्ष में नियम 6 (III) के अधीन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त सभी कर्मी अथवा नियम 6 (V) के अधीन नियुक्त सभी कर्मी उसी भरती वर्ष में अनुकम्पा के आधार पर सामुहिक रूप से नियुक्त सभी कर्मियों से वरीय होंगे।
- (5) नियम 6(V) के अधीन नियुक्त कर्मियों की आपसी वरीयता सीमित प्रतियोगिता परीक्षाफल के मेधा सूची के अनुसार होगी।
- (6) किसी भरती वर्ष में नियम 6 (V) के अधीन नियुक्त सभी कर्मी उसी भरती वर्ष में नियम 6(III) के अधीन आयोग की अनुशंसा पर नियुक्त कर्मियों से कनीय होंगे।
12. **उच्चवर्गीय लिपिक की कोटि एवं उच्चतर कोटि में प्रोन्नति** — (I) इस कोटि के अधिकृत बल को निम्नवर्गीय लिपिक कोटि के उन लिपिकों में से वरीयता-सह-योग्यता के आधार पर परिशिष्ट-1 के अनुसार भरा जायगा जो सम्पुष्ट हों तथा कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित कालावधि पूरा करते हों।
- (II) उच्चवर्गीय लिपिक कोटि में प्रोन्नति निदेशक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण की अध्यक्षता में गठित प्रोन्नति समिति की अनुशंसा पर की जा सकेगी।
- (III) क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 20-12-2000 को या पूर्व नियुक्त एवं कार्यरत सभी लिपिक/वरीय लिपिक इस सेवा के उच्चवर्गीय लिपिकों की कोटि के स्वतः सदस्य हो जायेंगे।
- परन्तु वैसे लिपिक/वरीय लिपिक, जो उच्चवर्गीय लिपिक की कोटि में स्वतः शामिल किये गये हों और जिनकी उम्र नियत तिथि को 50 वर्षों से कम हो, को नियत तिथि से दो वर्षों के भीतर टंकण एवं कम्प्यूटर का ज्ञान हासिल कर लेना होगा, उक्त अवधि के अन्दर ऐसी अहर्ता हासिल नहीं करने पर आगे उन्हें कोई वेतनवृद्धि देय नहीं होगी।
13. **सामान्य वरीयता सूची** — इस सेवा की सामान्य वरीयता सूची विनियमावली में विनिश्चित सिद्धान्तों एवं प्रक्रिया के अनुसार विभाग द्वारा तैयार एवं संधारित की जायेगी।
14. **निर्वचन** — जहाँ इस नियमवाली के किसी प्रावधान के निर्वचन के संबंध में कोई संदेह उत्पन्न हो, वहाँ वह विषय विभाग को निर्देशित किया जायगा, जिसका उस पर विनिश्चय अंतिम होगा।
15. **विनियम बनाने की शक्ति** — इस नियमवाली के प्रावधानों को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यकतानुसार विभाग विनियमावली बना सकेगा।
16. **प्रकीर्ण** — किसी अन्य नियमवाली में निम्नवर्गीय लिपिक एवं उच्चवर्गीय लिपिक के संदर्भ में इस नियमवाली के प्रतिकूल किसी बात के अन्तर्विष्ट होने पर इस नियमवाली के प्रावधान का अभिभावी प्रभाव होगा।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,
विजय प्रकाश,
प्रधान सचिव।

The 17th December 2008

No.2/Kshe.Stha-15-04/06—4359—In exercise of powers conferred by the provisio of Article 309 of the Constitution of India the Governor of Bihar makes the following Rules for the Clerks of the field establishments of the S.C. & S.T. Welfare Department :-

1. Short title, extend and commencement :-
 - (1) These Rules may be called “S.C. & S.T. Welfare Department Clerical (State Cadre) Rule, 2008.
 - (2) It shall extend to the whole of Bihar.
 - (3) It shall come in force on the date of the publication in the official Gazette.
2. Definitions :- In these rules unless the context otherwise requires.
 - (a) “Appointed day” means the date of commencement of these Rules.
 - (b) “Cadre” means S.C. & S.T. Welfare Department Clerical Cadre.
 - (c) “Grade” means the grade specified in Rule-3.
 - (d) “Person appointed by direct recruitment” means the person appointment to the post of Lower Division Clerk on the basis of the result of competitive examination organized by the commission.
 - (e) “Appointing Authority” means Director, S.C. & S.T. Welfare Department Bihar.
 - (f) “Cadre controlling Authority” means Director, S.C. & S.T. Welfare Department, Bihar.
 - (g) “Department” means S.C. & S.T. Welfare Department, Bihar.
 - (h) “Probationer” means the person appointment on probation in the grade of Lower Division Clerk.
 - (i) “Common Gradation List” means the gradation list of the employees of the cadre on the position at the appointment day and revised from time to time as per regulation to be made by the S.C. & S.T. Welfare Department for the purpose, which will be maintained by the S.C. & S.T. Welfare Department.
 - (j) “Commission” means Bihar Employees Selection Commission. (Bihar Karmchari Chayan Ayog).
3. Constitution of the Cadre :- This cadre shall comprise the following grades :-

(i) Lower Division Clerk	(3050-4590)
(ii) Upper Division Clerk	(4000-6000)
(iii) Head Clerk	(4500-7000)
(iv) Head Clerk-cum-Accountant	(5000-8000)
4. Authorized Strength of the Cadre :-
 - (1) The re-assessment of the authorized strength of the cadre shall be made, from time to time as per need, by the S.C. & S.T. Welfare Department with the consent of the Finance Department and with consultation of the Division Deputy Director, S.C. & S.T. Welfare.
 - (2) Out of the sanctioned strength of the Lower Divisional Clerk/Upper Division Clerk/Head Clerk/Head Clerk-cum-Accountant on the appointed day, 50 percent posts shall be deemed to be Lower Division Clerk grade and rest 50 percent of Upper Division Clerk grade. In addition to that the post of odd number will be deemed to be of Lower Division Clerk grade. Provided that if the working strength of the Upper Division Clerk and Upper Grade would be more than the 50 percent, such posts shall continued to be deemed in the Upper Division Clerk and Upper grades till the retirement or promotion of the working personnel in the Upper Division Clerk grade and upper grade. Until the strength of the Upper Division

Clerk and Upper grade comes below 50 percent, no promotion would be made to the posts of Upper Division Clerk.

5. **Reservation** :- The provisions of reservation notified by the State Government from time to time shall be applicable in the appointment/promotion in the service.

6. **Recruitment in the Lower Division Clerk grade** :-

(I) The minimum educational qualification/other qualification and procedure of recruitment shall be as per the provisions of the regulation.

(II) The requisition for vacancies of each calendar year will be sent to the Commission upto the month of December of the preceding calendar year. The qualifying age will be determined as on 1st January.

(III) The eighty five percent (85%) posts of the authorized strength of the Lower Division Clerk shall be filled by direct recruitment on the basis of the competitive examination organized by the commission for the purpose.

Provided that, maximum five percent (5%) posts, out of the posts to be filled by direct recruitment, shall be filled by appointment on compassionate ground from amongst dependents of the Government servants died in harness and having all the qualifications, for which the recommendation of the Commission not to be required.

(IV) The persons appointed and working on the appointed day in the Lower Division Clerk grade and the persons appointed and working in the Lower Division Clerk grade on the compassionate ground shall automatically be deemed to be included in this grade.

Provided that, such Lower Division Clerks who have been deemed to be automatically included in this service and are less than the age of 50 years on the appointed day shall have to acquire the requisite qualification, as determined by the State Govt., in typing and computer within two years of the appointment dya, failing which no further increment be payable to them.

(V) Rest fifteen percent (15%) of the authorized strength shall be filled up from amongst the group-D employees working in the regular establishments of the field offices of the State Govt., having requisite qualifications as specified by the regulation, through the limited competitive examination organized by the Commission.

(VI) On the basis of the intimation received from the offices concerned the reservation category wise requisition shall be sent to the Commission by the Department. On the basis of the result of the competitive examination, the allotment of candidates in each cadre shall be made by the Department on the basis of the merit-cum-option. The procedure of allotment on the basis of merit-cum-option shall be determined by the regulation.

7. The qualification, rules and curriculum for the competitive examination referred in Rule 6(III) and 6(V) shall be the same as may be decided by the regulation.

8. **Probation period** :- Any appointment in the category of the Lower Division Clerk, whether made by direct recruitment or Limited Competitive Examination or on

compassionate ground, shall initially be on probation. The period of probation will be of two years, which may be extended by the appointing authority.

Provided that, the personnel appointed as Lower Division Clerk prior to the appointed day shall be deemed to be appointed on probation;

Provided further that, the total period of extension of probation shall not exceed more than three years. If even in the extended period of probation, the services are not found to be satisfactory, the incumbent may be removed from service.

9. **Training :-** The Lower Division Clerk on probation shall have to undergo such training as may be prescribed by the regulation.

10. **Confirmation :-**

(1) A person appointed on probation in the grade of Lower Division Clerk, may be confirmed by the appointing authority on being successful in typing and computer test.

(2) The test referred in sub-rule (1) shall be conducted by the Board of Revenue. The determination of procedure etc. for the test of typing and knowledge of computer under sub-rule (1) and proviso of sub-rule (4) of rule 6 and proviso of sub-rule (3) of rule 11 shall be made by the Department in pursuance of the regulation in consultation with the Board of Revenue.

(3) No increment will be granted to the personnel appointed in the grade of Lower Division Clerk without being successful in the test of typing and knowledge of computer.

11. **Determination of Seniority in the grade of Lower Division Clerk :-**

(1) A common gradation list shall be prepared on the basis of existing position for the holders of the posts of Clerk, Head Clerk and equivalent posts in all the offices.

(2) The seniority of the persons appointed on the recommendation of Commission under sub-rule (3) of rule 6 shall be in accordance with the merit list prepared by the commission.

(3) The Inter-se seniority of the personnel appointed on compassionate ground shall be in accordance with the their date of appointment.

(4) All the personnel appointed in any year on the basis of competitive examination organized by the Commission under rule 6(III) or all the personnel appointed under rule 6(V) shall be senior to all the personnel appointed collectively on compassionate ground in the same recruitment year.

(5) The Inter-se seniority of the personnel appointed under rule 6(V) shall be in accordance with the merit list of the result of the Limited Competitive Examination.

(6) All employees appointed under rule 6(V) shall be junior to the employees appointed on the recommendation of the commission in the same requirement year.

12. **Promotion in the grade of Upper Division grade and higher grade :-**

(1) The authorized strength of this grade shall be filled up in accordance with Appendix-1 on the basis of merit cum fitness by such clerks of the Lower Division Clerk grade, who are confirmed, and fulfilling the fixed tenure (Kalawadhi) as determined from time to time by the Personnel and Administrative Reforms Department.

- (2) The promotion in the grade of Upper Division Clerk may be granted on the recommendation of the promotion committee constituted in the Chairmanship of Director, SC & ST Welfare.
- (3) All the clerks/senior clerks appointed on or prior to 20.12.2000 and working in the field offices shall automatically be the member of the grade of Upper Division Clerk.

Provided that, such clerks/senior clerks, who have been automatically included in the grade of Upper Division Clerk and are less than 50 years of age on the appointed day, shall have to acquire the knowledge of typing and computer within two years of the appointed day. In case of failing to acquire such qualification within the said period, no further increment will be admissible to him/her.

13. **Common Gradation List** : The common gradation list of this service shall be prepared and maintained by the Department in accordance with the principles and procedure as determined in the regulation.

14. **Interpretation** : Where any doubt arises in the interpretation of any provision of these Rules, that matter be referred to the Department, whose decision on that shall be final.

15. **Power to make regulation** : To make the provisions of these Rules effective the Department may make regulation as per necessity.

16. **Miscellaneous** : Notwithstanding any thing contrary to these Rules contained in any other Rules in reference to the Lower Division Clerk and Upper Division Clerk, the provisions of these Rules shall prevail.

By the order of the Governor.

Sd/-Illegible,

Principal Secretary to the Govt.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 57-571+200-डी0टी0पी0।